PATNA WOMEN'S COLLEGE 1940

Geography
Explore–Journal of Research
ISSN 2278 – 0297 **(Print)**
ISSN 2278 – 6414 **(Online)**
© Patna Women's College, Patna, India
http://www.patnawomenscollege.in/journal

मद्यनिषेध के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव : पटना नगर निगम क्षेत्र का एक प्रतीक अध्ययन

• शिप्रा मिश्रा • शिवा प्रिया • मधु सिन्हा
• अवधेश कुमार

Received : November 2016
Accepted : March 2017
Corresponding Author : अवधेश कुमार

Abstract : प्रस्तुत लघु शोधपत्र का विषय बिहार में मद्य निषेध एवं उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का अध्ययन है जिसका प्रतीक क्षेत्र पटना शहर में किया गया है । इसके लिए पटना के इलाकों जैसे बोरिंग रोड, गाँधी मैदान, कंकड़बाग, दीघा को चुना गया है ।

प्रस्तुत लघु शोध का उद्देश्य मद्यपान से हो रहे सामाजिक-आर्थिक नुकसानों का अध्ययन स्वास्थ पर प्रभाव, घरेलू हिंसा, सामाजिक अपराध, सड़क दुर्घटना में मद्य सेवकों की सहभागिता का अध्ययन करना है । इसके लिए *100* मद्य उपभोगियों को चुना गया जिसमे हर उम्र के स्त्री एवं पुरूष शामिल थे। उनके जवाबों के आधार पर आँकड़े तैयार किए गए एवं उनके आधार पर यह शोधपत्र तैयार किया गया ।

इस शोध के दौरान यह बात सामने आई है कि प्रायः मद्य लेने वालों की शारीरिक एवं मानसिक दशा दयनीय हो जाती है । इसलिए मद्यपान करने वालों का तिरस्कार करने की जगह बिहार सरकार ने प्रभावशाली कदम उठाते हुए मद्य निषेध का कानून पारित किया है ।

संकेत शब्दः मद्य निषेध, मद्य सेवक, नशा मुक्ति ।

शिप्रा मिश्रा
B.A. III year, Geography (Hons.), Session: 2014-2017,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

शिवा प्रिया
B.A. III year, Geography (Hons.), Session: 2014-2017,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

मधु सिन्हा
B.A. III year, Geography (Hons.), Session: 2014-2017,
Patna Women's College, Patna University, Patna,
Bihar, India

अवधेश कुमार
Assistant Professor, Department of Geography,
Patna Women's College, Bailey Road,
Patna – 800 001, Bihar, India
E-mail : awadhesh.pwc.@gmail.com

परिचय :

मद्य निषेध का शाब्दिक अर्थ है, कि मद्य का निर्माण करना, मंगाना, भेजना, बेचना-खरीदना तथा सेवन करना एक गैर कानूनी क्रिया है । मद्य निषेध से लाभ और हानियाँ दोनो हैं। लाभ में, कार्य करने की क्षमता में इजाफा, बेहतर स्वास्थ, मानसिक शांति, गुनाह दर इत्यादि में कमी आते हैं। हानियों में आर्थिक नुकसान, तस्करी, काला बाजारी इत्यादि शामिल हैं। परंतु मद्य निषेध से हो रहे सामाजिक-आर्थिक प्रभाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं (Times of India)। भारत में मद्य निषेध करने वाला बिहार चौथा राज्य बन चुका है। गुजरात, नागालैण्ड एवं मिजोरम में भी मद्यपान पूर्णतः वर्जित है। इससे पूर्व 1979 में मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर ने बिहार में मद्यपान पूर्ण रुप से निषेध किया था। परंतु वह निषेध उनके